उत्तर प्रदेश में नलकूप बेधन

1465. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार द्वारा सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में नलकूप-बेधन के लिए निर्धारित लक्ष्य क्या था ;

(ख) ये लक्ष्य किस हद तक प्राप्त कर लिए गए हैं ; और

(ग) उत्तर प्रदेश में अब तक कितने नलकूप लगा दिए गए हैं और इसके परिणामस्वरूप कुल कितना क्षेत्र लाभान्वित हुआ है ?

ग्रामीण विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री उत्तमभाई एच० पटेल) : (क) से (ग) उत्तर प्रदेश सरकार से सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जायेगी ।

Eradication of poverty and unemployment through intensive agriculture

1466. SHRI S. MADHAVAN: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether the International Commission on Peace and Food has prepared a plan *to* eradicate poverty and unemployment in India by the year 2000 through accelerated development of Intensive agriculture and high-value agro-industries; and

(b) if so, what steps Government have taken in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT (SHRI UTTAMBHAI H. PATEL): (a) A news item about this appeared in the Economic Times dated November 19, 1991.

(b) In the Eighth Plan, high priority is proposed to be attached to intensive development of agriculture and agro-based industries. However, Eighth Plan Plan has not yet been finalised.

10 लाख कुओं का निर्माण

1467. **श्री शिव प्रसाद चनपुरिया :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 31 अक्तूबर, 1991 तक जवाहर रोजगार योजना के अन्तर्गत 10 लाख कुओं के निर्माण का कितना लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है ;

(ख) इन कुओं के निर्माण कार्य की देखभाल किस एजेंसी ने की ;

(ग) इन कुओं में से कितने कुओं का उनमें पम्प सेट लगा कर सिंचाई के लिए प्रयोग किया जा रहा है ; और

(घ) इन कुओं से कितना क्षेत्र सींचा जा रहा है ?

ग्रामीण विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जी० वेंकट स्वामी) : (क) दस लाख कुओं की योजना 1988-89 में शुरू की गई थी, जबकि जवाहर रोजगार योजना 1989-90 में शुरू हुई थी । अब तक प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, दस लाख कुओं की योजना के अंतर्गत आज तक 2,45,964 कुओं का निर्माण किए जाने की सूचना मिली है ।

(ख) जवाहर रोजगार योजना की मार्गदर्शिकाओं में निर्धारित किया गया है कि लाभार्थियों को यह कहा जाये कि वे अपनी मेहनत तथा स्थानीय मजदूरों की मार्फत अपने कुओं का निनर्माण-कार्य स्वयं करें । किसी भी मामले में निर्माण-कार्य ठेकेदार को नहीं सौंपा जाना चाहिए ।